पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीसंतोष कुमार गंगवार): (क) से (घ) सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम की तेल कम्पनियों ने नौवीं योजना के दौरान मध्य प्रदेश राज्य में 13 नए एल पी जी भारण संयंत्र खोलने का प्रस्ताव किया है। 13 स्थानों, क्षमता और अनुमानित लागत का ब्यौरा निम्नवत् है:

स्थान	क्षमता(टीएमटीपीए)		अनुमानित लागत (करोड़ में)	परियोजना की स्थिति
देवास	(बीपीसीएल)	22	21	कार्य प्रगति पर है।
ग्वालियर	(बीपीसीएल)	10	15	भूमि की पहचान की जा रही है।
बीना	(बीपीसीएल)	10	14	भूमि प्राप्त कर ली गई है।
भोपाल	(बीपीसीएल)	22	22	भूमि प्राप्त कर ली गई है।
भोपाल	(एचपीसीएल)	34	45	—
सागर	(एचपीसीएल)	34	45	एचपीसीएल की अपनी स्वयं की भूमि है।
जबलपुर	(एचपीसीएल)	22	33	भूमि की पहचान कर ली गई
खण्डवा	(एचपीसीएल)	22	33	—
सतना	(आईओसी)	44	30	भूमि प्राप्त कर ली गई
उज्जैन	(आईओसी)	22	30	भूमि प्राप्त कर ली गई है।
बिलासपुर	(आईओसी)	34	—	अभी तक भूमि की पहचान नहीं हुई है।
गुना	(आईओसी)	22	27	भूमि का कब्जा प्राप्त हो गया है।
छिंदवाड़ा	(आईओसी)	22	—	अभी तक भूमि की पहचान नहीं हुई है।

एचपीसीएल के अनुसार उन्हें भोपाल और खांड़वा में संयंत्रों के लिए भूमि प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में राज्य सरकार प्राधिकारियों की सहायता ली गई है।

सुल्तानपुर में कुरेभार स्थित एल पी जी वितरण केन्द्र

3321. **श्री सूर्यभान पाटील वहाडणे**: क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या ग्रामीण क्षेत्र में रसोई गैस के विपणन की नई नीति के अंतर्गत सुल्तानपुर जिए के कुरेभार में रसोई गैस वितरण केन्द्र खोलने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यह किस वर्ष के विपणन योजना में किस श्रेणी के अंतर्गत शामिल है;

(ग) क्या इसके लिए आवेदन आमंत्रित किए जा चुके हैं; और

(घ) यदि उपरोक्त (क) का अत्तर नाकारात्मक है, तो उसके क्या कारण हैं?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री संतोष कुमार गंगवार): (क) से (घ) एल पी जी विपणन योजना 1996-98 के मुताबिक उत्तर प्रदेश में सुल्तानपुर जिलान्तर्गत कुरेबार में एल पी जी डिस्ट्रीब्यूटरशिप स्थापित करने के संबंध में कोई प्रस्ताव नहीं है। तथापि, हाल ही में किए गए सर्वेक्षण के मुताबिक यह स्थान उद्योग व्यवहार्यता मानकों के अनुसार साध्य पाया गया है तथा इसे आगामी एल पी जी विपणन योजना में सम्मिलित किया जाना है।